प्रतिवेदन

विषयः— एथिकल हैकींग एवं साइबर सिक्यूरिटी

दिनांक 07 / 12 / 2022

आज दिनांक 07 दिसम्बर 2022 को दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। कार्यशाला का विषय एथीकल हैकींग एवं साइबर सिक्यूरिटी है। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि गुरू घासीदास विश्वविद्यालय के कम्प्यूटर साइंस के विभागाध्यक्ष डॉ. ए.के. सक्सेना ने छात्रों को संबोधित करते हुये कहा कि आज पूरे विश्व में साइबर क्राइम बढ़ते ही जा रहा है। विभिन्न कंपनिया आज एथिकल हैकर को अपने संस्थान में नियोजित कर रही है। ऐसे में यह कार्यशाला छात्रों के लिये अत्यंत ही उपयोगी सिद्ध होगी तथा छात्रों को रोजगार प्राप्त करने में सहायक होगी। उन्होंने सतत् रूप से इस तरह के आयोजन हेतु विभाग को बधाई प्रेषित की। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि शिमला विश्वविद्यालय के आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, कम्प्यूटर साइंस डॉ. मनोज सूद ने हाल ही साइबर अटैक की घटनाओं का जिक्र करते हुये इसकी विपरित परिणामों के तरफ इशारा करते हुये इससे सजग रहने की बात कही। साथ ही साथ साइबर जागरूकता के संबंध में छात्रों और शिक्षकों को सामाजिक दायित्वों के निर्वहन हेतु कार्य करने का आग्रह किया।

कार्यक्रम के एक अन्य विशिष्ट अतिथि डॉ. अभिषेक दुबे, ओमान ने भी छात्रों को ऑनलाईन माध्यम से संबोधित करते हुये साइबर क्राईम एवं एथीकल हैकींग के संबंध में विस्तार से जानकारी प्रदान की और इस संदर्भ में और अधिक ज्ञान अर्जन कर कार्य करने हेतु छात्रों को प्रोत्साहित किया। विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ.एच.एस.होता ने स्वागत भाषण एवं कार्यशाला की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुये कहा कि हम कई दिनों से इस विषय पर कार्यशाला की योजना बना रहे थे। छात्रों के कैरियर निर्माण हेतु नवीन तकनीक पर आधारित और भी कार्यशालाओं का आयोजन आने वाले समय पर भी किया जावेगा। धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम के संयोजक श्रीमती श्रिया साहू ने किया।

इस दो दिवसीय कार्यशाला में मुंबई से आये विषय विशेषज्ञ श्री अजिन्क लोहाकरे है जो देश के प्रतिष्ठित कंपनी में एथीकल हैकर के रूप में कार्य कर रहे है। उन्होंने प्रथम दिवस कम्प्यूटर एवं इंटरनेट सुरक्षा के संबंध में तथा हैकिंग के संबंध में व्यवहारिक एवं प्रायोगिक ज्ञान छात्रों को दिया। कार्यशाला में कम्प्यूटर सांइस विभाग तथा सी.एम.डी. महाविद्यालय के 84 छात्र भाग ले रहे है।

उल्लेखनीय है, कि विभाग द्वारा नवीन तकनीक से संबंधित लाभ छात्रों को देने के उद्देश्य से निरंतर इस प्रकार के कार्यशालाओं का आयोजन किया जा रहा है ताकि छात्र सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हो रहे नित नये बदलाव और तकनीक को सीख सकें और अपने कैरियर निर्माण हेतु इसका उपयोग कर सके। विभाग ने एक नवीन प्रयोग करते हुये इस प्रकार के अकादमिक आयोजन हेतु कोडिंग क्लब का गठन किया है। जिसमें क्लब के

छात्र सदस्य संपूर्ण कार्यक्रम को आयोजित करते है ताकि उनके अंदर प्रशासनिक एवं नेतृत्व क्षमता का विकास हो सके। कार्यक्रम को सुचारू रूप से संचालित करने हेतु विभाग के सहायक प्राध्यापक श्रीमती श्रिया साहू द्वारा संयोजक की भूमिका का निर्वहन किया जा रहा है। वहीं विभाग के अन्य शिक्षक श्री जीतेन्द्र कुमार एवं डॉ. रश्मि गुप्ता के द्वारा भी आवश्यक सहयोग प्रदाय किया जा रहा है।

दो दिवसीय कार्यशाला का समापन समारोह कल दिनांक 08 दिसंबर 2022 को सायं 05:00 बजे संपन्न होगा। जिसमें विश्वविद्यालय के कुलपति एवं कुलसचिव सम्मिलित होंगे तथा छात्रों को प्रमाण पत्र का वितरण किया जावेगा।

कार्यशाला - एयू में एथिकल हैकिंग व साइबर सिक्योरिटी पर शुरू हुई परिचर्चा

साइबर हैकिंग से लोगों को बचाने एयू के प्राध्यापक व छात्र जागरूक करेंगे

बिलासपुर। अटल यूनिवर्सिटी के कंप्यूटर साइंस विभाग में एथिकल हैकिंग व साइबर सिक्योरिटी पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि सीयू के कम्प्यूटर साइंस के विभागाध्यक्ष डॉ. एके सक्सेना, विशिष्ट अतिथि शिमला विश्वविद्यालय के डॉ. मनोज सूद, ओमान के डॉ. अभिषेक दुबे और अध्यक्षता एयू के कंप्यूटर साइंस विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. एचएस होता ने किया। मुख्य अतिथि डॉ. सक्सेना ने कहा कि आज पूरे विश्व में साइबर क्राइम बढ़ते ही जा रहा है। [illegible] रही है। ऐसे में यह कार्यशाला छात्रों के लिए बेहद उपयोगी सिद्ध होगी। छात्रों को रोजगार प्राप्त करने में सहायक होगी। विशिष्ट अतिथि डॉ. सूद ने हाल ही साइबर अटैक की घटनाओं का जिक्र करते हुए इसकी विपरीत परिणामों के तरफ इशारा किया। इससे सजग रहने की बात कही। डॉ. दुबे ने छात्रों को ऑनलाइन संबोधित करते हुए साइबर क्राइम एवं एथिकल हैकिंग के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। डॉ. होता ने कार्यशाला की रूपरेखा बताई। धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम की संयोजक श्रेया साहू ने किया। मुंबई के कंपनी में एथिकल हैकर के रूप में कार्य कर रहे अभिनव लोहकरे ने छात्रों को कम्प्यूटर एवं इंटरनेट सुरक्षा के संबंध में जानकारी दिए।

<u>प्रतिवेदन</u>

<u>विषयः— एथिकल हैकींग एवं साइबर सिक्यूरिटी</u>

दिनांक 08 / 12 / 2022

राष्ट्रहीत में किया गया हर कार्य एथिकल, महाभारत में श्री कृष्ण जी ने भी यही किया— कुलपति वाजपेयी

विभाग द्वारा एथीकल हैकींग एवं इन्फार्मेशन सिक्यूरिटी विषय पर आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला का समापन समारोह आयोजित किया गया जिसमें माननीय कुलपति महोदय आचार्य अरूण दिवाकर नाथ वाजपेयी सम्मिलित हुये। उन्होंने वर्तमान परिवेश में कार्यशाला के विषय को अंत्यंत ही प्रासंगिक बताया और इस हेतु विभाग को बधाई प्रेषित की।

कुलपति महोदय ने अपने उद्बोधन में एथिकल हैकिंग और अन एथिकल को अध्यात्म और कृष्ण जी के कार्यो के आधार पर समझाते हुये कहा कि राष्ट्रहीत में किया गया हर कार्य एथिकल होता है और यही श्री कृष्ण जी ने महाभारत युद्ध में किया।

कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित गुरूघासीदास विश्वविद्यालय के डॉ. मनीष श्रीवास्तव ने छात्रों को संबोधित किया उन्होंने साइबर सुरक्षा के संबंध में विशेष सतर्कता बरतने तथा इस क्षेत्र में कैरियर की संभावनाओं की ओर छात्रों का ध्यान इंगित किया।

इसके पूर्व अतिथियों का स्वागत करते हुये विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ.एच.एस.होता. ने कहा कि विभाग द्वारा आयोजित यह कार्यशाला छात्रों को नवीन तकनीक को सीखने तथा इस क्षेत्र में कैरियर निर्माण में सहयोग करेगी। भविष्य में भी ब्लाकचेन विषय जो कि अत्यंत ही प्रासंगिक है का आयोजक किया जावेगा। विभाग द्वारा सतत् रूप से नवीन तकनीक पर आधारित कार्यशाला के आयोजन किया जाता रहा है।

कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन डॉ. रश्मि गुप्ता ने किया। यह संपूर्ण कार्यक्रम विभाग द्वारा गठित कोडिंग क्लब के छात्रों द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी 87 प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र दिया गया।

आज विषय विशेषज्ञ ने विभिन्न सर्वर के कमियों की जानकारी प्राप्त कर उसके सर्वर के प्रबंधन की जानकारी प्रदाय करने संबंधी प्रायोगिक कार्य को बताया। विभिन्न सोशल मीडिया में सुरक्षा संबंधी जानकारी हैकिंग एवं बचाव के संबंध में भी छात्रों ने प्रायोगिक ज्ञान अर्जित किया। कार्यशालाा में छात्रों ने बड़े उत्साह से भाग लिया एवं कार्यशाला को बहुत ही उपयोगी बताया तथा भविष्य में भी इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किये जाने हेतु अपनी मंशा प्रकट की।

इसके पूर्व दिवस पर दिनांक 07 दिसम्बर 2022 को दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। कार्यशाला का विषय एथीकल हैकींग एवं साइबर सिक्यूरिटी है। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि गुरू घासीदास विश्वविद्यालय के कम्प्यूटर साइंस के विभागाध्यक्ष डॉ.ए.के. सक्सेना ने छात्रों को संबोधित करते हुये कहा कि आज पूरे विश्व में साइबर क्राइम बढ़ते ही जा रहा है। विभिन्न कंपनिया आज एथिकल हैकर को अपने संस्थान में नियोजित कर रही है। ऐसे में यह कार्यशाला छात्रों के लिये अत्यंत ही उपयोगी सिद्ध होगी तथा छात्रों को रोजगार प्राप्त करने में सहायक होगी। उन्होंने सतत् रूप से इस तरह के आयोजन हेतु विभाग को बधाई प्रेषित की। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि शिमला विश्वविद्यालय के आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, कम्प्यूटर साइंस डॉ. मनोज सूद ने हाल ही साइबर अटैक की घटनाओं का जिक्र करते हुये इसकी विपरित परिणामों के तरफ इशारा करते हुये इससे सजग रहने की बात कही। साथ ही साथ साइबर जागरूकता के संबंध में छात्रों और शिक्षकों को सामाजिक दायित्वों के निर्वहन हेतु कार्य करने का आग्रह किया।

कार्यक्रम के एक अन्य विशिष्ट अतिथि डॉ. अभिषेक दुबे, ओमान ने भी छात्रों को ऑनलाईन माध्यम से संबोधित करते हुये साइबर क्राईम एवं एथीकल हैकींग के संबंध में विस्तार से जानकारी प्रदान की और इस संदर्भ में और अधिक ज्ञान अर्जन कर कार्य करने हेतु छात्रों को प्रोत्साहित किया। विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ.एच.एस.होता ने स्वागत भाषण एवं कार्यशाला की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुये कहा कि हम कई दिनों से इस विषय पर कार्यशाला की योजना बना रहे थे। छात्रों के कैरियर निर्माण हेतु नवीन तकनीक पर आधारित और भी कार्यशालाओं का आयोजन आने वाले समय पर भी किया जावेगा। धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम के संयोजक श्रीमती श्रिया साहू ने किया।

इस दो दिवसीय कार्यशाला में मुंबई से आये विषय विशेषज्ञ श्री अजिन्क लोहाकरे है जो देश के प्रतिष्ठित कंपनी में एथीकल हैकर के रूप में कार्य कर रहे है। उन्होंने प्रथम दिवस कम्प्यूटर एवं इंटरनेट सुरक्षा के संबंध में तथा हैकिंग के संबंध में व्यवहारिक एवं प्रायोगिक ज्ञान छात्रों को दिया। कार्यशाला में कम्प्यूटर सांइस विभाग तथा सी.एम.डी. महाविद्यालय के 84 छात्र भाग ले रहे है।

उल्लेखनीय है, कि विभाग द्वारा नवीन तकनीक से संबंधित लाभ छात्रों को देने के उद्देश्य से निरंतर इस प्रकार के कार्यशालाओं का आयोजन किया जा रहा है ताकि छात्र सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हो रहे नित नये बदलाव और तकनीक को सीख सकें और अपने कैरियर निर्माण हेतु इसका उपयोग कर सके। विभाग ने एक नवीन प्रयोग करते हुये इस प्रकार के अकादमिक आयोजन हेतु कोडिंग क्लब का गठन किया है। जिसमें क्लब के छात्र सदस्य संपूर्ण कार्यक्रम को आयोजित करते है ताकि उनके अंदर प्रशासनिक एवं नेतृत्व क्षमता का विकास हो सके। कार्यक्रम को सुचारू रूप से संचालित करने हेतु विभाग के सहायक प्राध्यापक श्रीमती श्रिया साहू द्वारा संयोजक की भूमिका का निर्वहन किया जा

रहा है। वहीं विभाग के अन्य शिक्षक श्री जीतेन्द्र कुमार एवं डॉ. रश्मि गुप्ता के द्वारा भी आवश्यक सहयोग प्रदाय किया जा रहा है।